ई संदेश

14 मई, 2026 | अंक - 205

सात दिन, सात पृष्ठ

- समावेशी विकास का आधार बनेगी डिजिटल जनगणना, प्रदेश में महाअभियान का शंखनाद
- 481 युवाओं को मिले नियुक्ति-पत्र, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश के विकास को मिली नई शक्ति
- खेल संस्कृति से सशक्त हो रहा राष्ट्र, खाकी और खिलाड़ियों के अटूट रिश्ते ने रचे नए प्रतिमान
- राज्य मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार, नवनियुक्त मंत्रियों ने जनभवन में ली पद और गोपनीयता की शपथ
- सनातन स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संगम बना काशी-सोमनाथ संकल्प महोत्सव
- ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब के रूप में उभरा उत्तर प्रदेश, सुरक्षा और सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर ने खींचा दुनिया का ध्यान
- मुख्यमंत्री जी ने वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए प्रधानमंत्री जी के आह्वान के साथ जुड़ने के लिए प्रदेशवासियों से अपील की

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

समावेशी विकास का आधार बनेगी डिजिटल जनगणना

प्रदेश में महाअभियान का शंखनाद

उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण और सुनियोजित विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 07 मई, 2026 को अपने सरकारी आवास पर जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जनगणना केवल जनसंख्या की गिनती मात्र न होकर भविष्य की सटीक आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने आंकड़ों की महत्ता पर बल देते हुए इसे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने का मुख्य आधार बताया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल जनगणना कराई जा रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से सम्बन्धित कार्य सम्पादित होंगे। आमजन को 07 मई से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके उपरान्त फील्ड कार्य के अन्तर्गत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करेंगे। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है। साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान समय में रियल टाइम डेटा अत्यन्त आवश्यक है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या लगभग 25 करोड़ 70 लाख है। जनगणना कार्य प्रदेश के 18 मण्डलों, 75 जनपदों, 350 तहसीलों, 17 नगर निगमों, 745 अन्य नगरीय निकायों, 21 छावनी परिषदों, 57,694 ग्राम पंचायतों तथा लगभग 01 लाख 04 हजार राजस्व ग्रामों में सम्पादित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस व्यापक कार्य के सफल संचालन हेतु प्रदेश में लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को दोनों चरणों के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों से जनगणना को राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए सक्रिय सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति केवल एक ही स्थान पर अपनी गणना कराए तथा सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराए, ताकि विकास योजनाओं की सटीक एवं प्रभावी रूपरेखा तैयार की जा सके। मुख्यमंत्री जी ने जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को शुभकामनाएं दीं।

481 युवाओं को मिले नियुक्ति-पत्र
पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश के विकास को मिली नई शक्ति

उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने और सरकारी व्यवस्था को कुशल मानव शक्ति से सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 07 मई, 2026 को 'मिशन रोजगार' के अंतर्गत कुल 481 नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। इस गरिमामय कार्यक्रम में आयुष विभाग के 202 प्रोफेसर, रीडर, चिकित्साधिकारी व स्टाफ नर्स, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के 272 अनुदेशक तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के 07 नर्स, हॉस्टल वार्डन व कंपाउंडर को नियुक्ति-पत्र सौंपकर सेवा का अवसर प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि साफ नीयत और स्पष्ट नीति के कारण ही राज्य में सकारात्मक परिणामों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

भर्ती प्रक्रिया में शुचिता और ईमानदारी के नए प्रतिमान स्थापित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विगत नौ वर्षों में प्रदेश सरकार ने नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान कर नियुक्ति-पत्र वितरण का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया। किसी भी युवा के साथ अन्याय न होने पाए, इसके लिए विभिन्न भर्ती बोर्डों और आयोगों को जवाबदेही के साथ-साथ आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया। प्रदेश की बढ़ती प्रति व्यक्ति आय और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का 'ग्रोथ इंजन' बन चुका है।

औद्योगिक और कौशल विकास की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने एमएसएमई सेक्टर की मजबूती पर बल दिया। वर्तमान में प्रदेश की 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में तीन करोड़ से अधिक लोग कार्यरत मिले, जबकि बड़े उद्योगों की संख्या विगत नौ वर्षों में 14,000 से बढ़कर 32,000 से अधिक हो गई। व्यावसायिक शिक्षा विभाग में टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 150 से अधिक आईटीआई संस्थानों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी और रोबोटिक्स जैसे आधुनिक कोर्सेज से जोड़ा गया, ताकि इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप स्किल्ड मैनपावर तैयार की जा सके।

स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में आयुष विभाग के माध्यम से 'हेल्थ टूरिज्म' को बढ़ावा देने और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को प्रत्येक गांव तक प्रभावी बनाने का लक्ष्य रखा गया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु प्रदेश में संचालित विश्वविद्यालयों और मंडल मुख्यालयों पर स्थापित केंद्रों के माध्यम से हर प्रतिभाशाली व्यक्ति को उचित मंच देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए नवनियुक्त कार्मिकों को राष्ट्रीय कर्तव्यों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर नवचयनित अभ्यर्थियों ने निष्पक्ष चयन प्रणाली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

खेल संस्कृति से सशक्त हो रहा राष्ट्र
खाकी और खिलाड़ियों के अटूट रिश्ते ने रचे नए प्रतिमान

उत्तर प्रदेश में खेलों के प्रति एक नई चेतना जागृत करने और खिलाड़ियों के सम्मान को सर्वोपरि रखने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 09 मई, 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिण्टन (बैडमिण्टन एवं टेबल टेनिस) क्लस्टर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्मारिका 'स्फूर्ति' का विमोचन करने के साथ ही उद्घाटन मैच में शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री जी ने खेल को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए कहा कि जिस प्रकार बैडमिण्टन में शटल कॉक को नीचे नहीं गिरने दिया जाता, उसी प्रकार जीवन में हौसलों और सपनों को टूटने नहीं देना चाहिए। खेल के माध्यम से सीखे गए अनुशासन और त्वरित निर्णय लेने के कौशल विपरीत परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिए तैयार करते हैं।

डबल इंजन सरकार के प्रयासों से प्रदेश में एक सुदृढ़ स्पोर्ट्स ईको-सिस्टम विकसित हुआ, जिसने खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरियों में दो प्रतिशत हॉरिजॉण्टल आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री जी ने जानकारी दी कि अब तक 534 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सीधी भर्ती के माध्यम से शासन के विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया, जबकि 546 नई भर्तियां प्रक्रियाधीन रहीं। वर्ष 2021 से पुलिस बल में कार्यरत 334 खिलाड़ियों को पदोन्नति प्रदान की गई। ललित उपाध्याय, राजकुमार पाल और पारुल चौधरी जैसे वैश्विक पटल पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सीधे पुलिस बल में डिप्टी एसपी के पद पर नियुक्त कर सरकार ने उनकी प्रतिभा का सम्मान किया।

देशभर से आए लगभग 1,400 खिलाड़ियों की प्रतिभागिता वाली इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूती प्रदान की। प्राचीन भारतीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' के सिद्धांत पर चलते हुए शरीर को स्वस्थ रखना कर्तव्य पालन का पहला साधन है। स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क और चरित्र का निर्माण संभव है, जो राष्ट्र निर्माण में सहायक बनता है। सरकार ने खेल को मात्र एक शौक तक सीमित न रखकर उसे एक सम्मानजनक करियर के रूप में स्थापित किया।

प्रदेश के युवाओं को नई प्रेरणा देने के लिए ग्रामीण स्तर से लेकर ब्लॉक और जनपद स्तर तक खेल के मैदानों व मिनी स्टेडियमों का जाल बिछाया गया। 'खेलो इण्डिया' और 'फिट इण्डिया' जैसे अभियानों ने समाज के अंतिम पायदान पर बैठे खिलाड़ी को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतरीन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया। उत्तर प्रदेश की 56 प्रतिशत युवा आबादी को पॉपुलेशन डिविडेण्ड का लाभ दिलाने के उद्देश्य से सरकार ने खेल संस्कृति को नई दिशा दी। इस आयोजन ने न केवल खेल भावना को बढ़ावा दिया बल्कि खाकी और खेल के बीच एक अटूट विश्वास का साक्ष्य भी प्रस्तुत किया।

राज्य मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार

नवनियुक्त मंत्रियों ने जनभवन में ली पद और गोपनीयता की शपथ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ मंत्रणा के उपरांत 10 मई, 2026 को लखनऊ स्थित जनभवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल में शामिल किए गए इन सदस्यों ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। कैबिनेट मंत्री के रूप में श्री भूपेन्द्र चौधरी व श्री मनोज पाण्डेय ने शपथ लेकर नई जिम्मेदारी संभाली।

शपथ ग्रहण की इसी श्रृंखला में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में श्री अजीत सिंह पाल व डॉ. सोमेन्द्र तोमर ने शपथ ग्रहण की। राज्य मंत्री के रूप में श्रीमती कृष्णा पासवान, श्री कैलाश सिंह राजपूत, श्री सुरेन्द्र दिलेर व श्री हंस राज विश्वकर्मा ने मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

समारोह के दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री द्वय श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक तथा राज्य मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विभिन्न जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्य सचिव श्री एस.पी. गोयल सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सहभागिता की।

माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से जनभवन , लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 9 मई 2026 को शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने उन्हें 'भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा' पुस्तक भेंट की।

सनातन स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संगम बना
काशी-सोमनाथ संकल्प महोत्सव

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 11 मई, 2026 को श्री काशी विश्वनाथ धाम, वाराणसी में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में सहभागिता की। इस अवसर पर राज्यपाल जी एवं मुख्यमंत्री जी ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के उपरांत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के त्र्यंबकेश्वर हॉल में बीएचयू के छात्रों द्वारा निर्मित सोमनाथ की प्रतिकृति पार्थिव ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक और पूजन किया। राज्यपाल जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोमनाथ मंदिर को राष्ट्र के स्वाभिमान का ज्योति-स्तंभ बताया। उन्होंने काशी और सोमनाथ को भारतीय सभ्यता के दो अमर स्वर बताते हुए कहा कि सोमनाथ का इतिहास पराजय का नहीं बल्कि पुनर्जन्म का है, जो हमें सिखाता है कि विनाश क्षणभंगुर और सृजन सनातन होता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने संबोधन में इस आयोजन को भारतीय सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मगौरव के पुनर्जागरण का शंखनाद बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में आज पूरा देश 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को साकार होते देख रहा है। सौराष्ट्र में सोमनाथ महादेव मंदिर की पुनर्प्रतिष्ठा के साथ ही काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और महाकाल लोक जैसे तीर्थस्थल अपने पूर्ण वैभव के साथ विकास की नई यात्रा पर अग्रसर हुए। मुख्यमंत्री जी ने जोर देते हुए कहा कि काशी और सोमनाथ भारत की सभ्यतागत चेतना के दो मुख्य स्तंभ हैं, जिन्होंने सदियों के संघर्षों और आक्रमणों के बावजूद भारत के स्वाभिमान की लौ को प्रज्ज्वलित रखा।

इतिहास की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आक्रांताओं ने मंदिर की दीवारों को खंडित कर भारत की आत्मा को चोट पहुँचाने का दुस्साहस किया, लेकिन वे यह भूल गए कि सनातन केवल दीवारों में नहीं बल्कि भारत की अविनाशी चेतना में बसता है। औरंगजेब जैसे आक्रांताओं द्वारा ढांचा खड़ा करने के प्रयासों के बावजूद भारत की अजर-अमर आत्मा को नहीं तोड़ा जा सका। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिन लोगों ने सनातन को मिटाने का कुप्रयास किया, वे स्वयं मिट्टी में मिल गए, जबकि श्री काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ महादेव आज भी गौरव गाथा का गान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्पों का स्मरण करते हुए सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण को दासत्व से मुक्ति का उद्घोष करार दिया।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत अपने आत्मगौरव की पुनर्प्रतिष्ठा के अमृत काल से गुजर रहा है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि भौतिक वस्तुओं को विखंडित किया जा सकता है, लेकिन हमारे देवस्थल भारत की शाश्वत आत्मा के प्रतीक हैं जिन्हें कोई नष्ट नहीं कर सकता। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल जी एवं मुख्यमंत्री जी ने सोमनाथ मंदिर, गुजरात में आयोजित अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रधानमंत्री जी द्वारा किए गए पूजन और संबोधन के सजीव प्रसारण का अवलोकन भी किया।

ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब के रूप में उभरा उत्तर प्रदेश

सुरक्षा और सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर ने खींचा दुनिया का ध्यान

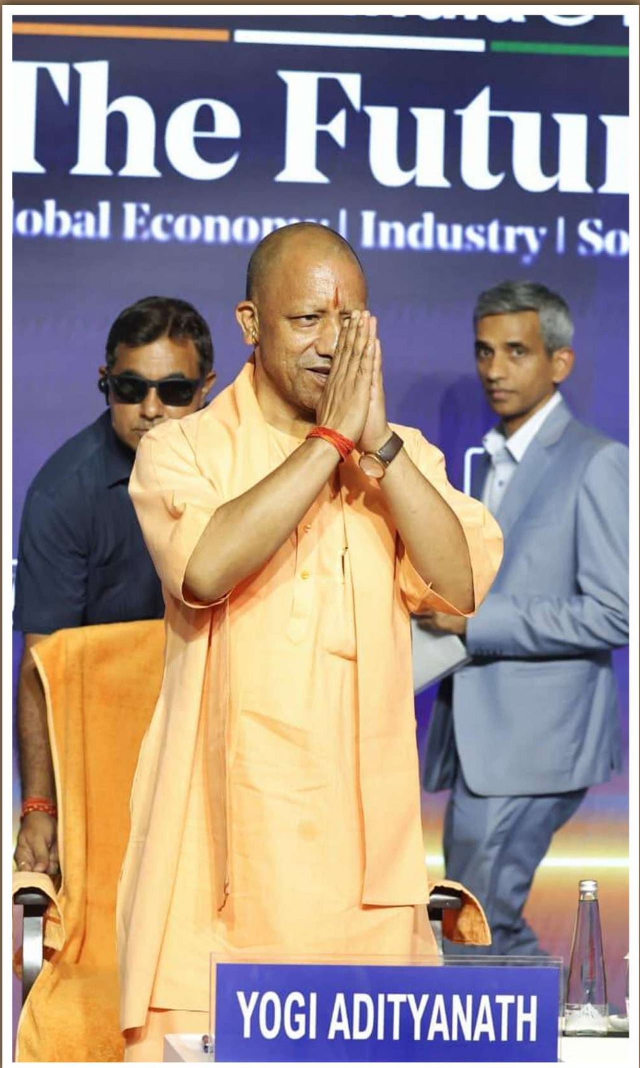

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 11 मई, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट-2026' को संबोधित करते हुए भारत की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में उभरते उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। समिट में आए वैश्विक उद्यमियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने सीआईआई बनारस कल्चरल फिनाले के वीडियो का विमोचन भी किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब उत्तर प्रदेश जैसे बड़ी आबादी वाले राज्य आर्थिक रूप से सुदृढ़ और आत्मनिर्भर बनेंगे।

प्रदेश की बदलती पहचान और कानून व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि वर्ष 2017 से पूर्व राज्य अराजकता और पहचान के संकट से जूझ रहा था। विगत नौ वर्षों के सफल प्रबंधन और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने राज्य अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने राज्य को 'पॉलिसी पैरालिसिस' से उबारकर 'टॉप अचीवर स्टेट' की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में किसी भी प्रकार का संगठित अपराध अस्तित्व में नहीं रहा और माफिया राज का पूर्णतः अंत कर दिया गया है। सुरक्षा के इसी वातावरण ने निवेशकों के मन में अटूट विश्वास पैदा किया है जिसका परिणाम लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश प्रस्तावों के रूप में सामने आया है।

उत्तर प्रदेश के विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश के कुल एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का 60 प्रतिशत हिस्सा अकेले इसी राज्य में मौजूद है। जेवर में बन रहा एशिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और 16 क्रियाशील एयरपोर्ट्स के माध्यम से प्रदेश की वायु कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयां प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, कृषि विकास दर को 08 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत तक पहुँचाने और एमएसएमई क्षेत्र के माध्यम से तीन करोड़ युवाओं को रोजगार से जोड़ने की उपलब्धि को भी रेखांकित किया गया। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में आई क्रांति के फलस्वरूप आज देश की 55 प्रतिशत मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग उत्तर प्रदेश में संपन्न हुई।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और ऐतिहासिक गौरव के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने आज के दिन को परमाणु शक्ति परीक्षण और सोमनाथ मंदिर की पुनर्प्रतिष्ठा के कारण भारत के सामर्थ्य का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब 'बीमारू राज्य' की छवि को पीछे छोड़कर देश की टॉप थ्री इकोनॉमी में शामिल हो चुका है। अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे आध्यात्मिक केंद्रों के कायाकल्प से पर्यटन के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें गत वर्ष 156 करोड़ पर्यटकों का आगमन एक मील का पत्थर साबित हुआ। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हुए इस 'फिनोमिनल ट्रांसफॉर्मेशन' की मुक्तकंठ से सराहना की।

मुख्यमंत्री जी ने वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए प्रधानमंत्री जी के आह्वान के साथ जुड़ने के लिए प्रदेशवासियों से अपील की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि प्रदेशवासी ईंधन की खपत कम करें और अनावश्यक सोने की खरीद न करें। मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के आह्वान को प्रदेश में व्यावहारिक रूप से अपनाए जाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी द्वारा वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए आमजन से की गई अपील के दृष्टिगत राज्य सरकार की तैयारियों के सम्बन्ध में 12 मई, 2026 को यहां लखनऊ में उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व मंत्रियों आदि की फ्लीट में तत्काल 50 प्रतिशत की कमी की जाए। फ्लीट से अनावश्यक वाहनों को हटाया जाए। उन्होंने प्रदेश में वर्क फ्रॉम होम की संस्कृति को भी प्राथमिकता देने की अपील की। बैठक में मुख्य सचिव, डी0जी0पी0, सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जी ने पी0एन0जी0, मेट्रो, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों आदि के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने सरकारी बैठकों, सेमिनारों, कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप आदि के वर्चुअली आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री जी ने वैश्विक हालात को देखते हुए प्रदेशवासियों को प्रधानमंत्री जी के आह्वान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया में उथल-पुथल है, ऐसे में सभी को सावधानी बरतनी होगी। प्रधानमंत्री जी के आह्वान का पालन करने के लिए राज्यों को तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि मंत्री, सांसद, विधायक तथा जनप्रतिनिधिगण सप्ताह में एक दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। सप्ताह में एक दिन नो व्हीकल डे आयोजित किया जाए। इस अभियान से सरकारी कर्मचारियों, स्कूलों-कॉलेजों के विद्यार्थियों समेत समाज के विभिन्न वर्गों को भी जोड़ें। स्कूल-कॉलेजों में स्कूली बस के प्रयोग को प्रोत्साहित करें। आवश्यकता पड़ने पर परिवहन निगम की बसों को भी स्कूलों से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री जी ने सार्वजनिक परिवहन, साइकिलिंग, कार पूलिंग तथा ई0वी0 के प्रयोग पर बल देते हुए कहा कि जिन शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है, वहां लोग इसका अधिकतम प्रयोग करें। अधिक मांग वाले मार्गों पर बस समेत पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाओं को बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि औद्योगिक विकास विभाग व आई0आई0डी0सी0 द्वारा औद्योगिक संस्थानों, बड़े स्टार्टअप्स आदि में वर्क फ्रॉम होम को प्रेरित किया जाए। जहां बड़ी संख्या में कार्मिक कार्यरत हैं, उन्हें सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम की अनुशंसा के लिए राज्य स्तर पर एडवाइजरी जारी की जाए। शिक्षा विभाग के सेमिनारों, बैठकों, वर्कशॉप समेत सरकारी बैठकों आदि का वर्चुअल आयोजन किया जाए। राज्य सचिवालय/निदेशालय की 50 प्रतिशत आन्तरिक बैठकें भी वर्चुअली की जाएं। उन्होंने कहा कि पीक आवर में ईंधन का उपयोग कम करने के लिए कार्यालय समय को अलग-अलग बैचों में बांटा जा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों से बिजली बचाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि सरकारी भवनों, घरों, निजी प्रतिष्ठानों आदि में बिजली का अनावश्यक प्रयोग न हो। निजी प्रतिष्ठानों/व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स आदि में रात 10 बजे के बाद सजावटी लाइटों का न्यूनतम प्रयोग हो।

मुख्यमंत्री जी ने सार्वजनिक साइकिलिंग शेयरिंग योजना को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अगले छह माह तक गैर आवश्यक विदेशी यात्राएं न करें।

उन्होंने नागरिकों, वेडिंग प्लानर्स आदि से देश में ही आयोजन किए जाने की अपील करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भी हैरिटेज, ईको साइट्स, प्राचीन किले समेत अनेक अच्छे स्थल हैं, वहां डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा दें। विजिट माई स्टेट अभियान शुरू किया जाए, जिसमें वेलनेस, ईको, ग्रामीण, वन्यजीव तथा खान-पान पर आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिले। उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन कुजीन' को लागू किया। मुख्यमंत्री जी ने संग्रहालयों, स्मारकों आदि को कुछ समय निःशुल्क किए जाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पर्यटन विभाग होटल, एयरलाइंस, टूर ऑपरेटर, ट्रेवल एजेंट आदि के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दे। दुनिया में जहां भी उत्तर प्रदेश के प्रवासी नागरिक हैं, उन्हें प्रदेश में घूमने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए शॉपिंग फेस्टिवल, हेरिटेज टूर का आयोजन किया जाए तथा मन्दिरों एवं गोशाला आदि का दर्शन कराएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्थानीय कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रयोग को बढ़ावा दें। स्वदेशी को बढ़ावा दिया जाए। त्योहारों, शादियों समेत विभिन्न आयोजनों में भारत में बने उपहारों, उत्पादों, हस्तशिल्प सामग्रियों को बढ़ावा दें। राज्य सरकार की ओर से ओ0डी0ओ0पी0 तथा जी0आई0 टैग प्राप्त उत्पादों को उपहार के रूप में दिया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों से खाद्य तेल के उपयोग में कमी लाने का आग्रह करते हुए कहा कि स्वास्थ्य, घरेलू बचत व आयात पर निर्भरता कम करने के लिए यह कदम जरूरी है। नाट्य श्रृंखलाओं के जरिए लोगों को जागरूक करें। स्वास्थ्य विभाग पोषण जागरूकता शिविर लगाए। इस सम्बन्ध में व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, जिला अस्पतालों, निजी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज, सरकारी कैण्टीन, मिड डे मील, जेल, छात्रावास, पुलिस मेस आदि में भी खाद्य सामग्रियों में तेल के कम प्रयोग पर जोर दिया। स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक अधिकारी होटल, रेस्तरां, ढाबा, हलवाई, स्ट्रीट फूड आदि के यूनियन के साथ संवाद स्थापित कर कम तेल वाले खाद्य पदार्थों को बढ़ावा दें।

मुख्यमंत्री जी ने कृषि विभाग को नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। प्रदेश की गोशालाओं में 14-15 लाख गोवंश हैं। इनके गोबर का भी उपयोग किया जाए। उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री जी ने सोने की अनावश्यक खरीद से बचने का आग्रह किया। प्रशासन स्थानीय ज्वेलर्स एसोसिएशन, व्यापारियों आदि के साथ बैठक कर उनकी चिंताओं को दूर करे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में पी0एन0जी0 नेटवर्क का मिशन मोड पर विस्तार करें। इसके कनेक्शन को बढ़ाने पर जोर दें। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन के साथ भी बैठक करें। पी0एम0 सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को भी प्रोत्साहित करें। इसके जरिए रूफटॉप सोलर को अपनाए जाने के लिए लोगों को प्रेरित करें।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 10 मई 2026 को लखनऊ में योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य माहात्म्य पर आधारित फिल्म 'कृष्णावतारम्' (भाग-1, हृदयम) के स्पेशल स्क्रीनिंग कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को सशक्त अभिव्यक्ति देने वाली इस फिल्म से जुड़े कलाकारों को सम्मानित भी किया।